E - CONTENT

Subject - Economics

Class - B.A Part I (Paper II)

Topic : Functions of Central Bank; Credit Control
(केन्द्रीय बैंक के कार्य; साख नियंत्रण)

By :-
EKATA KUMARI
Guest Faculty
(Assistant Professor)
Mahila College Sasaram.
Rohtas.

Email I'd :
bhardwajekata@gmail.com

केन्द्रीय बैंक के विभिन्न कार्यों का वर्णन करें ?

केन्द्रीय बैंक :-

देश के केन्द्रीय बैंक का देश की बैंकिंग प्रणाली में विशेष स्थान होता है। केन्द्रीय बैंक के कार्य सामान्य वाणिज्य बैंकों से भिन्न होते हैं। एक वाणिज्य बैंक लाभ कमाने के उद्देश्य से कार्य करता है। इसके विपरीत केन्द्रीय बैंक का प्रमुख कार्य देश में वित्तीय और आर्थिक स्थिरता बनाये रखना होता है। डी कॉक के अनुसार "केन्द्रीय बैंक का मुख्य उद्देश्य या सिद्धांत लाभ का विचार न करते हुए जन-हित और राष्ट्र के कल्याण के लिए कार्य करना है।" अतः केन्द्रीय बैंक के लिए लाभ कमाना एक गौण बात है। अतः देश का केन्द्रीय बैंक निम्न सिद्धांतों पर चलता है :-

चूँकि केन्द्रीय बैंक लाभ के पीछे भागने वाली संस्था नहीं है इसलिए यह अन्य साधारण बैंकों से भिन्न होता है। केन्द्रीय बैंक को इस प्रकार कार्य करना होता है ताकि देश में आर्थिक स्थिरता बनी रहे और आर्थिक विकास हो सके।

(ii) केन्द्रीय बैंक सबसे बड़ा ऋणदाता है। समस्त बैंक तथा वित्तीय संस्थाएँ आवश्यकता पड़ने पर कुछ ब्याज की दर पर केन्द्रीय बैंक का सहारा ले सकती हैं। परन्तु केन्द्रीय बैंक नकद रुपया मांग कर अथवा बिलों या प्रतिभूतियों को देकर किसी अन्य संस्था का सहारा नहीं ले सकता।

(iii) केन्द्रीय बैंक की नीति क्रियात्मक होनी चाहिए। जब देश की बैंकिंग - व्यवस्था में कहीं भी कोई गड़बड़ उत्पन्न हो जाए तो केन्द्रीय बैंक चुप बैठकर तमाशा नहीं देख सकता। उस स्थिति में केन्द्रीय बैंक को क्रियाशील होना पड़ता है।

(iv) अपने कार्य - संचालन के हेतु केन्द्रीय बैंक के पास विशेष अधिकार और साधन होते हैं :-

* केन्द्रीय बैंक को नोट निकालने का एकाधिकार प्राप्त होता है।
* केन्द्रीय बैंक सरकारी बैंक होता है।
* यह अन्य बैंकों का भी बैंक होता है। इस प्रकार केन्द्रीय बैंक मुद्रा तथा साख को नियंत्रित कर सकता है।

(v) केन्द्रीय बैंक और सरकार के बीच विशेष पारस्परिक सहयोग होना जरूरी है। यही कारण है कि संसार के अधिकांश देशों में केन्द्रीय

बैंक सरकार के स्वामित्व में है। केन्द्रीय बैंक का उद्देश्य राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करना है।

केन्द्रीय बैंक के कार्य :—

एक केन्द्रीय बैंक द्वारा किए जाने वाले मुख्य कार्य निम्नलिखित हैं :—

(I) नोट छापने का अधिकार :—

वर्तमान समय में संसार के प्रत्येक देश में नोट छापने का एकाधिकार केवल केन्द्रीय बैंक को ही प्राप्त होता है और केन्द्रीय बैंक द्वारा जारी किए गए नोट सारे देश में असीमित विधि ग्राह्य के रूप में घोषित होते हैं। केन्द्रीय बैंक को करेन्सी मुद्रा चीरगमन या सं जारी करने का एकाधिकार है। अब अधिकतर केन्द्रीय बैंकों ने अपने कार्यों को दो भागों में बाँट रखा है —

* बैंकिंग विभाग
* निर्गमन विभाग - निर्गमन विभाग का कार्य नोट जारी करना है।

(II) सरकार का बैंक :— केन्द्रीय बैंक, सभी देशों में सरकार के बैंकर, एजेन्ट

एवं वित्तीय परामर्शदाता के रूप में कार्य करते हैं। सरकारी बैंकर के रूप में यह सरकारी विभागों के खाते रखता है तथा सरकारी कोषों की व्यवस्था करता है। आवश्यकता पड़ने पर सरकार को जो ऋण दिया जाता है वह बिना ब्याज के दीर्घकालीन न होकर अल्पकालीन होता है। केन्द्रीय बैंक सरकारी कोष का भी स्थानान्तरण करता है। यह सरकार को वित्तीय संबंधी और बैंकिंग संबंधी परामर्श देता है। सरकार राजकोषीय हुंडियों को इसे बेचकर उधार लेती है। यह सरकार का सार्वजनिक ऋण नियंत्रित करता है।

(iii) बैंकों का बैंक :—

केन्द्रीय बैंक देश के अन्य बैंकों के लिए बैंकर का कार्य करता है। केन्द्रीय बैंक सभी बैंकों के जमाओं का एक अंश अपने पास सुरक्षित रखता है। अल्पावधि के लिए ऋण भी देता है तथा केन्द्रीयकृत रूप जमाशोधन और धनविप्रेषण सुविधाएँ भी देता है। बैंकों के जमाकोष से ही केन्द्रीय बैंक ऋण उपलब्ध करती है। इस प्रकार वह अंतिम ऋणदाता के रूप में उधार देती है। जब अन्य स्रोतों से से ऋण बैंकों को प्राप्त नहीं हो पाती तो यह बैंक

व्यवसायिक बैंकों का निगमन तथा नियंत्रण करती है। लाइसेंस जारी करना शाखाओं के विस्तार, प्रबंधन आदि कार्य निगमन के अधिन आते हैं। यह समय - समय पर निरक्षण भी करता है।

(IV) अंतिम ऋणदाता :-

केन्द्रीय बैंक अंतिम ऋणदाता का महत्वपूर्ण कार्य भी करता है। केन्द्रीय बैंक साख या उधार की पूर्ति का अंतिम स्त्रोत है। यह केन्द्रीय बैंक का कर्तव्य है कि संकटकाल में जब कि लोगों में निराशा फैली हुई होती है और दूसरे बैंक भी ऋण या साख की पूर्ति करने से इन्कार कर देते हैं, वह ऋण या साख की मांग को पूरा करें। केन्द्रीय बैंक को बिना किसी संकोच के संकट-काल में लोगों में निराशा समाप्त करने के लिए सुद्रा या साख की बड़ी मांग को पूरा करना चाहिए। प्रायः केन्द्रीय बैंक के विधान में यह बात शामिल होती है कि संकटकाल में यदि वह चाहे तो नोटों के जारी करने पर कानून द्वारा लगाई गई सीमा से अधिक नोट भी जारी कर सकता है।

(V.) देश के विदेशी मुद्रा कोषों का संरक्षण :-

केन्द्रीय बैंक अंतर्राष्ट्रीय कोष के संरक्षक के रूप में भी कार्य करता है। देश की मुद्रा इकाई के बाहरी मूल्य को स्थिर रखना केन्द्रीय बैंक का महत्वपूर्ण कार्य है। इसको सफलतापूर्वक संपन्न करने के लिए केन्द्रीय बैंक विदेशी मुद्राओं के कोष संचित रखता है। इनके अतिरिक्त केन्द्रीय बैंक अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के विकास तथा विनिमय दर की स्थिरता के लिए भी विदेशी कोषों को उचित मात्रा में बनाए रखता है।

(VI.) आर्थिक स्थिरता बनाये रखना :-

केन्द्रीय बैंक का एक और महत्वपूर्ण कार्य देश में आर्थिक स्थिरता बनाये रखना है। जैसा कि हम ऊपर कह आए हैं कि केन्द्रीय बैंक, बैंक-साख की पूर्ति तथा उस पर लिए जाने वाले ब्याज पर नियन्त्रण करके कीमतों तथा समूची आर्थिक क्रिया में स्थिरता ला सकता है। केन्द्रीय बैंक देश का मौद्रिक अधिकारी होता है। मौद्रिक नीति मन्दी और तेजी की दशाओं को समाप्त करने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण है। यह मुद्रा-स्फीति को दूर करने के लिए साख-नियन्त्रण के विभिन्न

तरीकों से साख की पूर्ति को कम कर देता है। मन्दी की स्थिति को समाप्त करने के लिए साख की पूर्ति को बैंक दर घटा कर या अन्य तरीकों द्वारा बढ़ाना होता है।

(VII) समाशोधन गृह का कार्य :—

केन्द्रीय बैंक समाशोधन गृह का कार्य भी करता है। इसका अर्थ है कि केन्द्रीय बैंक दूसरे बैंकों का हिसाब किताब भी रखता है। हर एक बैंक का केन्द्रीय बैंक में खाता होता है। अतएव इन बैंकों के पास एक दूसरे के चैक आते हैं, उनका भुगतान केन्द्रीय बैंक द्वारा होता है। इसके अतिरिक्त समाशोधन गृह का एक अन्य लाभ यह भी है कि इसके कारण व्यापारिक बैंक बहुत कम मात्रा में नकद कोष रख कर काफी बड़ी मात्रा में साख का निर्माण कर सकते हैं क्योंकि समाशोधन गृह के कारण नकदी की मांग बहुत कम हो जाती है।

(VIII) आर्थिक विकास को बढ़ावा देना :—

केन्द्रीय बैंक का एक और महत्वपूर्ण कार्य देश के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है। केन्द्रीय

बैंक कृषि तथा औद्योगिक विकास करने में सहायता देता है। केन्द्रीय बैंक कृषि और उद्योग को ऋण देने वाली संस्थाओं को कम ब्याज की दरों पर वित्त प्रदान करता है। केन्द्रीय बैंक का उद्देश्य अर्थव्यवस्था में व्यापारिक चक्रों अथवा उतार - चढ़ाव को होने से रोकना है ताकि स्थिरता के साथ आर्थिक विकास सम्भव हो सके।

(IX.) साख मुद्रा का नियंत्रण :-

वास्तव में केन्द्रीय बैंकों का सबसे महत्वपूर्ण कार्य व्यापारिक बैंकों की साख संबंधी क्रियाओं का नियंत्रण करना है। साख नियंत्रण से अभिप्राय साख मुद्रा की मात्रा में देश की मौद्रिक आवश्यकताओं के अनुसार कमी या वृद्धि करने से है। साख मुद्रा की आवश्यकता से अधिक प्रसार होने पर मुद्रा स्फीति की दशा उत्पन्न हो जाती है और कम होने पर मुद्रा संकुचन के दोष पैदा हो जाते हैं। यही कारण है कि केन्द्रीय बैंक साख मुद्रा को ~~निश्चित~~ निश्चित सीमाओं के अंदर रखने का प्रयास करता है। केन्द्रीय बैंक द्वारा साख मुद्रा का उचित नियंत्रण करने से देश के सामान्य कीमत स्तर में स्थिरता लाई जा सकती है तथा उत्पादन एवम् रोजगार में वृद्धि की जा सकती है।

(X) आंकड़े इकट्ठा करना :-

केन्द्रीय बैंक आर्थिक सूचनाओं एवं आंकड़ों को इकट्ठा करता है और समय - समय पर प्रकाशित करता है। केन्द्रीय बैंक देश में बैंकिंग, मुद्रा तथा विदेशी विनिमय संबंधी जो आंकड़े प्रकाशित करता है उनसे देश की आर्थिक प्रगति की गति का बहुत कुछ ज्ञान हो जाता है। देश में आर्थिक योजनाओं को सफल बनाने के लिए ये सूचनाएं तथा आंकड़े और भी आवश्यक होते हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न देशों की आर्थिक स्थिति का तुलनात्मक अध्ययन इन आंकड़ों की सहायता से बहुत आसानी से किया जा सकता है।

(XI) अन्य कार्य :-

उपरोक्त कार्यों के अतिरिक्त केन्द्रीय बैंक कुछ अन्य कार्य भी करता है जो इस प्रकार हैं :-

(i) कृषि वित्त :-

कुछ देशों के केन्द्रीय बैंक जैसे भारत का रिजर्व बैंक कृषि के विकास के लिए सारव सुविधाओं की व्यवस्था भी करता है।

(ii) अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन :-

केन्द्रीय बैंक अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा सम्मेलन जैसे अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष या विश्व बैंक तथा अन्य सम्मेलनों में अपने देश का प्रतिनिधित्व करता है।

(iii) मुद्रा तथा मिल बाजार :-

केन्द्रीय बैंक मुद्रा तथा मिल बाजार संगठित करने का कार्य भी करता है।

(iv) फटे - पुराने नोट वापिस लेना :-

केन्द्रीय बैंक फटे - पुराने नोटों को वापिस लेकर उनके स्थान पर नये नोट दे देता है।